प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (२०१६ - २०१७) कक्षा बारहवी हिन्दी ऐच्छिक अंक योजना

खंड क

अपेक्षित मूल्यांकन बिन्दु

15

1. क)

- जैसा होना चाहिए आदर्श
- समाज में जिसका नाम आदर के साथ लिया जाए तथा उसके योगदान को याद किया जाए - उज्जवल

2

ख)

- जीवन की वास्तविकता को समझना
- परमात्मा से परिचय कराना

2

ग)

- आलस्य का त्याग करना
- सत्य के प्रति सचेत होना

2

ਬ)

- सत्य असत्य का बोध करना
- निर्णय लेने की क्षमता विकसित होना

2

	• आस्था, निष्ठा, संकल्प आदि			
	• इसे अपनाकर ही जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है		2	
च)				
,				
	• बुराइयां जल्दी फैलती हैं			
	• जड़ें गहरी नहीं होती		2	
\				
छ)				
	• मनुष्य अपने बारे स्वयं बहुत कुछ जानता है			
	• अपनी कमियों को स्वयं दूर कर सकता है		2	
ज)				
	• परि, स्थिति			
	• नीति, इक		1	
	, 4		-	
2.			1x5=5	
क)	हमारे देश के बारे में		1	
٦٠)	وسار طرا عر هار با		•	
ख)	गीता का उपदेश मनुष्य को जीवन का वास्तविक अर्थ समझाता है		1	
ग)	क्रांतिकारियों की पीड़ा, योगदान से ही देश को स्वतंत्रता मिली		1	
,				
ម)	'चन्द्रवरदायी' पृथ्वीराज के कवि थे। उन्होने वीर रस की कविताएं लिखीं		1	
ਤ)	भारतवासियों के घर में इनका पाठ होता रहता है	1		

```
3.
                                                                             10
भूमिका - 01
विषयवस्तु - 6
 उपसंहार - 1
 भाषा - 2
4.
                                                                             5
आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 01
विषयवस्तु - 03
भाषा - 01
5.
                                                                             1X5=5
क)
   • अंशकालिक
   • पूर्णकालिक
ख) किसी विषय पर पूर्ण अधिकार के साथ किया जाने वाला लेखन
ग) घटना स्थल से प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा प्रमाण स्वरुप दिखाई जाने वाली बातें
घ) आलम आरा
ਤ)
   • माखनलाल चतुर्वेदी
```

• मैथिलीशरण गुप्त

6. 05 विषयवस्तु - 03 प्रस्तुति - 01 भाषा - 01 खंड ग 7. 8 संदर्भ+प्रसंग - 02 व्याख्या - 04 विशेष - 01 भाषा - 01 8. 3+3=6 क) • निराला ने समय की ओर इशारा किया है। • संघर्षो से जीवन आसान नहीं रह गया है। • संसार जहर से भरा हुआ है, मानवता हाहाकार कर रही है। • निराशा में आशा का संचार करना। ख) • ऋषि मुनियों और देवताओं द्वारा उनकी उदारता का वर्णन संभव नहीं। • आम आदमी द्वारा कठिन।

- स्वतंत्रता के बाद सभी चालाक और धूर्त व्यक्ति पैसा कमाकर अमीर बन गए।
- स्वतंत्रता के बाद हाथ फैलाने वाला व्यक्ति ईमानदार, क्योंकि वह धोखाधड़ी में शामिल नहीं।

भाव सौन्दर्य - 1 ½

शिल्प सौन्दर्य - 1 ½

ख)

भाव सौन्दर्य - 1 ½

शिल्प सौन्दर्य - 1 ½

ग)

भाव सौन्दर्य - 1 ½

शिल्प सौन्दर्य - 1 ½

10.

संदर्भ+प्रसंग - 01

व्याख्या - 03

भाषा + विशेष - 02

11.	4+4=8
ক)	
 वह पेट भर खाता है, खूब सोता है। संवाद ज्यों का त्यों हाव भाव के साथ सुनाता है। गांव के लोग उसे पेटू किस्म का समझते हैं। 	

ख) पूंजीपतियों द्वारा मजदूरों से अधिक काम लेने के लिए अलग अलग तरीकों को अपनाना।

• मजदूरों का शोषण करना।

ग)

- देवदास की तरह संभव का पारो के लिए मन में प्रेम रखना।
- संभव से पहले देवदास प्रेम के उदाहरण रुप में प्रस्तुत
- संभव देवदास के बाद के समर्पित प्रेमी के तौर पर प्रस्तुत।

12 जीवन परिचय - 02 6

किन्ही दो रचनाओं का उल्लेख - 02

भाषा शैली - 02

अथवा

5

जीवन परिचय - 02

किन्ही दो रचनाओं का उल्लेख - 02

काव्यगत विशेषता - 02

13 विद्यार्थियों के चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन स्वीकार्य

14. あ) 5

- पहाड़ काटकर खेत बनाना
- ऊंची चोटी पर रहना
- विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य से काम करना
- बिना किसी सहारे पहाड़ पर चढना (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)

ख)

- वर्तमान सभ्यता नदियों के महत्व को नहीं समझ रही।
- फैक्ट्रियों, नालियों का पानी नदी मे गिराती है।
- नाले के पानी से नदी नाले में बदल रही है।
- उपयोग करने वाली सभ्यता नदी के महत्व को नहीं समझ पा रही । (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)